प्रेस विज्ञप्ति
तत्काल प्रकाशनार्थ

बाड़े में फंसने से चेहरा खराब करने वाले 14 वर्षीय लड़के को चमत्कारी तरीके से बचाया गया

फोर्टिस शालीमार बाग की टीम ने गंभीर चोट वाले रोगियों की मदद करने के लिए जनता को अधिक जागरूक करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 13 दिसंबर, 2016: फोर्टिस शालीमार बाग के डॉक्टरों ने एक 14 वर्षीय बच्चे को बचाया, जिसका पार्क में खेलने के दौरान बाड़े में फंसने से चेहरा खराब हो गया था। **एफएचएसबी के डिपार्टमेंट ऑफ प्लास्टिक, एस्थेटिक एंड रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी में सीनियर कंसल्टेंट डॉ. रिची गुप्ता** के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने कक्षा 9 के छात्र सक्षम गाडिया को एक जटिल सर्जरी कर बचाया।

पश्चिम विहार के एक पार्क में दोस्तों के साथ खेलने के दौरान एक बॉल का पीछा करते हुए सक्षम पार्क ने बाहर कूदने की कोशिश की। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल पार्क के बाड़े पर गिर पड़ा, जिससे उसके दाएं जबड़े की हड्डी दो हिस्सों में टूट गई। बाड़े पर गिरने से उसकी गर्दन और चेहरा पूरा खराब हो गया था। वह कुछ इस स्थिति में गिरा था कि ग्रिल ने उसकी गर्दन से उसके मुंह में घुसकर जबड़े की हड्डी को दो हिस्सों में तोड़ दिया।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों और उसके दोस्तों ने उसे बाड़े से बाहर निकाला, जिससे उसका काफी खून बह गया। वहां से उसे एक नजदीकी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां उसका बहता खून रोकने के लिए प्रेशर ड्रेसिंग की गई और उसे फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग रिफर कर दिया गया। जब उसे फोर्टिस हॉस्पिटल शालीमार बाग की इमरजेंसी यूनिट में लेकर आए थे तब सक्षम होश में था लेकिन जबड़े में हुए छेद से उसका काफी खून बह रहा था। हॉस्पिटल में सक्षम को सबसे पहले अटेंड करने वाले **डिपार्टमेंट ऑफ प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एंड रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी के एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ. रजत गुप्ता** ने बताया, ''उसके जबड़े की हड्डी दोनों तरफ से डिस्प्लेस हो गई थी। उसकी गर्दन और मुंह से भी लगातार काफी खून बह रहा था।'' डॉक्टरों के अनुसार सक्षम का बचना किसी चमत्कार से कम नहीं। **डॉ. गुप्ता कहते हैं,** ''अगर बाड़े की ग्रिल ने उसके शरीर में कुछ सेंटीमीटर इधर–उधर घुसी होती तो यह उसके लिए जानलेवा हो सकता

था। इसके अतिरिक्त ऐसी स्थिति में उसे ग्रिल से खींचकर बाहर निकालने से अधिक मात्रा में काफी खून बह सकता था, जिससे उसके जीवन को काफी नुकसान पहुंच सकता था।'' वह कहते हैं, ''रोगी की सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी होता है कि शरीर में घुसे धातुई हिस्से को शरीर में ऐसे ही छोड़ दिया जाए और धातु को बाहर से काटकर व्यक्ति को इमरजेंसी में लाने की कोशिश करनी चाहिए।''

डॉ. गुप्ता ने बताया, ''हमने उसकी उन नसों को बांधा, जिनमें से खून निकल रहा था, उसके जख्म को सिंचित किया और उसमें घुसे हुए पत्थरों को बाहर निकाला। उसके जख्म को कई परतों में ठीक किया गया और उसकी गर्दन में एक नली छोड़ी गई। उसके निचले जबड़े के टूटे हुए हिस्सों को अस्थाई तौर पर उन्हें आर्क बार्स और वायरों की मदद से सही स्थान पर रखा गया। तीन दिन बाद उसे सामान्य एनेस्थिसिया देकर आंतरिक तरीके से उसके निचले जबड़े की प्लेटिंग और फिक्सेशन की गई।''

फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग के फैसिलिटी डायरेक्टर श्री महिपाल भनोट के अनुसार, ''हमारी टीम का पूरा ध्यान हमेशा से ही क्लीनिकल उत्कृष्टता को साथ लाना और रोगी को प्राथमिकता पर रखना रहा है। सक्षम को हमारे पास बेहद खराब हालत में लाया गया था और उसका काफी खून बह चुका था लेकिन डॉ. रिची गुप्ता के नेतृत्व में हमारी टीम ने बेहद सटीक तरीके से उसकी सर्जरी की योजना बनाई और क्लीनिक, रिपेयर एवं रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी पर ध्यान दिया।''

सक्षम की मां जीजी गाडिया बताती हैं, ''मैं काम पर थी जब मुझे मेरे देवर ने फोन कर बताया कि सक्षम को इमरजेंसी की स्थिति में हॉस्पिटल ले जाया गया है।'' उन्होंने आगे कहा कि ऐसी परिस्थितियों में जनता की जागरूकता बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि ऐसे में पता नहीं चलता कि क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं फोर्टिस, शालीमार बाग की मेडिकल टीम की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मेरे बच्चे को इतनी गंभीर चोट के बावजूद बचा लिया।''

सक्षम ने सर्जरी के अगले दिन से ही साफ लिक्विड डायट शुरू कर दिया। सर्जरी के बाद एक सप्ताह तक उसे हल्का भोजन दिया जाएगा और सामान्य भोजन करने की शुरूआत सर्जरी के 6 सप्ताह बाद से की जाएगी। सक्षम बहुत बहादुर था कि उसने इतने अधिक दर्द से हार नहीं मानी। हाल में उसे ओरल फीड पर रखा गया है और वह डॉक्टरों की नियमित देखभाल में अच्छे से रिकवर कर रहा है।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 45 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 330 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड	एवियन मीडिया
अजेय महाराज : +91 9871798573; **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** **तनुश्री रॉय चौधरी: +91 9999425750** **tanushree.chowdhury@fortishealthcare.com**	**रिशू सिंह: +91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** **प्रीति सहरावत: +91- 9711170599;** **preeti@avian-media.com**